>

Title: Need to remember 16th December as `Victory Day' and demand to bring a bill for banning of lotteries.

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक): अध्यक्ष जी, मेरा विषय तो लाटरी है, लेकिन मैं सदन का ध्यान आज के विशेष दिवस की ओर दिला रहा हूं, जो कि शौर्य दिवस के रूप में जाना जाता है। आज के दिन यानी १६ दिसम्बर, १९७१ को हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान की सेना पर विजय प्राप्त की थी। १६ दिसम्बर, १९७१ को पश्चिमी पाकिस्तान की सेना ने भारत और बंगला देश की सेनाओं की संयुक्त कमांड के सामने आत्मसमर्पण किया था।

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, you have given the notice for banning of lotteries. Whatever you have mentioned in the notice, you should say that.
... (Interruptions)

श्री विजय गोयल : यह एक महत्वपूर्ण मामला है जो मैं सदन के सामने रख रहा हूं।

अध्यक्ष महोदयः यह अच्छी बात नहीं है।

श्री विजय गोयल : पाकिस्तान की ओर से लेफ्टीनेंट जनरल नियाजी ने आत्मसमर्पण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

MR. SPEAKER: I have called Shri Vijay Goel.
... (Interruptions)

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को शौर्य दिवस की याद दिला रहा हूं और सारा सदन इस पर सहमत होगा।

SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR (MUMBAI NORTH-WEST): Sir, 16th December was celebrated as `Victory Day' in this House. There is nothing wrong. It should be honoured. (Interruptions).

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष जी, मैं सिर्फ अपनी भावनाओं को व्यक्त कर रहा था।

SHRI ARIF MOHAMMED KHAN (BAHRAICH): In the fitness of things, the proposal should have come from the Government. This is an important day. But it appears that they do not want to remember this day. (Interruptions).

श्री विजय गोयल : मेरा विषय लॉटरी के ऊपर है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ajit Jogi is disturbing the House.
... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदयः बार-बार ऊपर देख रहे हैं। ऊपर क्या है?

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Many hon. Members are disturbing the House.

बार-बार ऊपर देख रहे हैं। ऊपर क्या है?

... (व्यवधान)

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष जी, पिछली लोक सभा और इस लोक सभा में मैंने एक विशेष बात देखी है और वह यह है कि एक महत्वपूर्ण मुद्दा लॉटरी का पिछले सदन में आया था जिस पर सभी राजनीतिक दलों ने एक स्वर में इस बात का समर्थन किया था कि देश के अंदर एक अंक की लॉटरी पर नहीं बल्कि समस्त प्रकार की लॉटरियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए और मैं सरकार और सभी राजनीतिक दलों का आभारी हूं जिन्होंने पिछले सदन में एक अंक की लॉटरी पर पूर्ण तरीके से प्रतिबंध लगा दिया था। तत्कालीन गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों से बात करके सदन में दूसरा बिल लाएंगे जिससे समस्त प्रकार की लॉटरियों पर पूरे देश में प्रतिबंध लग जाएगा। वह बिल अभी तक नहीं आया। सरकार उस बिल को लेकर आए और पुनः उसी तरीके से सभी राजनीतिक दल इस बात का समर्थन करें कि सारी लॉटरियों पर प्रतिबंध लगे। गोहाटी हाइ कोर्ट के एक ऑर्डर से दुबारा से लॉटरीज पर स्टे दे दिया गया है और देश के अंदर जगह-जगह पर एक अंक की लॉटरी शुरु कर दी गई है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि हर प्रदेश में किसी न किसी पार्टी की सरकार है, अपनी-अपनी पार्टी की सरकार से इस बात की गुहार करें कि स्वतः ही लॉटरीज पर प्रतिबंध लग जाए और मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि यदि खुराना जी इस बात पर वक्तव्य देना चाहते हैं तो वह वक्तव्य दें कि वह बिल कब लेकर आ रहे हैं ताकि जिस लॉटरी के कारण लाखों घर बर्बाद हो रहे हैं और जिस पर सदन ने एक मत होकर, एक ध्वनि से यह कहा था कि न केवल एक अंक की लॉटरी बल्कि समस्त प्रकार की लॉटरीज बंद की जानी चाहिए। वह बिल इस सदन के इसी सत्र में लाया जाए जिससे देश में सभी प्रकार की लॉटरीज पर प्रतिबंध लग जाए।

MR. SPEAKER: So, you are also supporting this. All right.

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, जहां तक लॉटरी का सवाल है, इस सरकार का पूरी तरह से यह मत है कि सभी अंकों की लॉटरीज पूरी तरह से सारे देश में बंद होनी चाहिए और उसी तरफ हम कदम बढ़ा रहे हैं।

श्री राजेश पायलट : दूसरा बिल कब ला रहे हैं?

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः अभी देश में लॉटरी बंद नहीं हुई हैं। कोर्ट के किसी आदेश के अनुसार दोबारा लॉटरी देश में बिक रही हैं, इसलिए मेरा कहना है कि उस लीगल पाइंट को देखकर हम बहुत जल्दी यह बिल लाने वाले हैं।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : उसमें देरी क्यों कर रहे हैं?

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : यह मिलीभगत है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.
(Interruptions)*
MR. SPEAKER: I will call all the names. Please understand.
PROF. A.K. PREMAJAM (BADAGARA): I may be permitted to raise a very important matter of grave consequence.
MR. SPEAKER: Madam, last time also I told you that you cannot read in the `Zero Hour';
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: I have called Prof. Premajam. Please take your seat.
Nothing goes on record.
(Interruptions) *

---

* Not recorded.